Class- B.A - I (Pol. Science Honours)
Paper - I

Name of the Guest Teacher- Khushbu kumari,
dept. of Pol. science, V.S.J. College, Rajnagar, Lnmu

Date 9th May 2020

Topic- बहुलवाद पर मैकाइवर के विचार

रॉबर्ट एम. मैकाइवर आधुनिक राजनीतिशास्त्रियों और समाजशास्त्रियों में प्रमुख स्थान रखते हैं। उन्होंने अपनी कृति 'Modern State' में राज्य तथा सम्प्रभुता से संबंधित अपने विचारों की व्याख्या की है। उनके अनुसार सामाजिक जीवन के किसी भी पहलू को बाकी सामाजिक पहलुओं से अलग करके अध्ययन नहीं किया जा सकता है। अतः उन्होंने राजनीतिक पहलू को पूरे सामाजिक जीवन के अन्य पहलुओं के संदर्भ में देखा।

वे राज्य को समुदाय मानते हैं जो मनुष्य के कुछ उद्देश्यों की पूर्ति करता है तथा सामाजिक व्यवस्था की बाहरी अवस्थाओं को नियंत्रित करता है। समाज में विभिन्न समुदाय पाये जाते हैं। राज्य उनमें से एक है।

मैकाइवर के अनुसार, "राज्य की प्रभुसत्ता स्वतंत्र तथा बंधनरहित अन्तिम शक्ति नहीं है जैसा कि किसी भगवान जैसे शासक की शक्ति होती है। प्रभुसत्ता एक समुदाय की विशेषता है और यह उस समुदाय से अधिक शक्तिशाली नहीं हो सकता।"

मैकाइवर कानूनी सम्प्रभुता का कठोर आलोचक है। उनके अनुसार सम्प्रभुता कानूनी रूप से औपचारिक है। कानूनतः राज्य असीमित है क्योंकि वह कानूनों का स्रोत है, लेकिन इस आधार पर वह निरंकुश

Page No.
Date

नहीं है। क्योंकि ऐसी ही शक्ति धार्मिक कानूनों के बारे में चर्च के पास है तथा गोल्फ खेलने के बारे में किसी क्लब के पास है।

राज्य तथा समाज के सम्बन्ध के बारे में मैकाइवर के विचार —

रूसो, हीगल, बोसांके आदि आदर्शवादियों ने राज्य तथा समाज को एक समझा। मैकाइवर ने इस विचार की आलोचना की है। उन्होंने राज्य तथा समाज में निम्नलिखित भेद बतलाया है —

(1) राज्य समाज के अंदर है, किन्तु इसका ढाँचा समाज का ढाँचा नहीं है। राज्य समाज से छोटी चीज है। यह समाज में मनुष्यों के बाह्य सम्बन्धों को नियंत्रित करता है।

(2) समाज राज्य से पहले अस्तित्व में आया।

(3) राज्य, समाज के अनेक सामाजिक रूपों को जैसे — परिवार, चर्च या क्लब सामाजिक शक्तियों को, जैसे प्रथाओं या या प्रतियोगिताओं और सामाजिक उद्देश्यों को मित्रता या जलन को राज्य की बड़ी मशीन नियंत्रित नहीं कर सकता है। समाज के ये रूप शक्तियाँ या उद्देश्य राज्य से उत्पन्न नहीं होते बल्कि राज्य की सत्ता उन पर आधारित रहती है

(4) समाज राज्य से अलग तथा ऊपर है
(5) समाज एक खुला संगठन है, जबकि राज्य एक बंद संगठन ।
(1) राज्य समाज का समुदाय है।

राज्य के आधार के रूप में कानूनों की मैकाइवर की नयी धारणा ——

मैकाइवर के अनुसार सामाजिक कानून प्रथाएँ, परंपरा तथा हजारों रीति रिवाजों द्वारा व्यक्त होते है। इनके कुछ हिस्से राज्य के कानूनों द्वारा परिभाषित, व्यक्त तथा विकसित होते है। मैकाइवर कानून को आज्ञा नहीं मानता बल्कि उसके विचार मे कानून आज्ञा का एकदम उल्टा है। वह आज्ञा देने वाले और आज्ञा पालन करने वाले को अलग-अलग देखता है। उसके विचार मे कानून आज्ञा की अपेक्षा मौलिक तथा स्थायी है।

—— X ——